रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

अक्टूबर 2005 (अंक 151) | विश्व मितव्ययिता दिवस अंक | October 2005 (Issue 151)

राष्ट्रीय बचत संस्थान चेन्नई केंद्र द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययता दिवस के अवसर पर श्री सी. पोन्नायन माननीय वित्त मंत्री, तमिलनाडु सरकार संबोधित करते हुये। (बाये से दाये) श्री बी. शेल्वाकुमार निदेशक डाक सेवा चेन्नई, श्री के गनादेशीकन वित्त सचिव, श्री टी. मुर्ती आयुक्त अल्प बचत तामिलनाडु सरकार एवंश्री राजु बाबु क्षेत्रीय निदेशक चेन्नई दिखाई दे रहे है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान (एन.एस.आई.), राज्य सरकारों, डाक विभाग एवंबचत संसाधन संग्रहण में जुटी अन्य एजेन्सियों के निकट सहयोग से प्रति वर्ष 30 अक्टूबर को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में क्षेत्रीय निदेशकों के मुख्यालय पर 30 अक्टूबर को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया। अन्य वित्तीय संगठनों जैसे – भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय कृत बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय यूनिट ट्रस्ट ने भी समारोह में भाग लिया। विश्व मितव्ययिता दिवस मनाने का उद्देश्य है कि लोगों में बचत करने की आदत को बढ़ावा देना एवं बचत आंदोलन के तहत अधिक से अधिक लोगों को लाना।

इस अवसर पर महामहिम भारत के राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, माननीय प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह एवं माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री. पी. चिदम्बरम की ओर से प्राप्त संदेशों को समारोह में पढ़कर सुनाए गये। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर एक विशेष विज्ञापन देश के प्रमुख समाचार पत्रों में डी.ए.वी.पी., नई दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा प्रकाशित किया गया। विश्व मितव्ययिता दिवस के कार्यक्रमों को समाचार पत्रों एवं दूरदर्शन के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

राष्ट्रीय बचत संस्थान, गुवाहाटी केंद्र द्वारा आयोजित विश्व मितव्ययता दिवस के अवसर पर डॉ. नेमा परोरा सायकिया माननीय मंत्री हैंन्डलूम वस्त्रोद्योग, रेशम, असम सरकार, एकत्रितों को संबोधित करते हुए, साथ में (बायें से दायें) श्री एम.के. बरूआ, आयुक्त एवं वित्त सचिव, गुवाहाटी, श्री एस.के. सिन्हा उपायुक्त कामरूप एवं श्री राजीव सागर क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत गुवाहाटी भी दिखाई दे रहे है।

विश्व मितव्ययिता दिवस का महत्व एवं राष्ट्रीय बचत संस्थान की उपलब्धियाँ

विश्व मितव्ययिता दिवस सर्वप्रथम 31 अक्टूबर 1924 को इटली के मिलान में मनाया गया। भारत में यह दिवस 31 अक्टूबर 1984 को मनाया जाता था, लेकिन तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की मृत्यु के पश्चात् विश्व मितव्ययिता दिवस देश में 30 अक्टूबर को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष भी विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्टूबर 2005 को मनाया गया। विश्व मितव्ययिता दिवस मनाने का मूल उद्देश्य है कि लोगों में बचत की आदत को बढ़ावा देना एवं वित्त मंत्रालय के विभिन्न बचत प्रतिभूतियों की जानकारी देना एवं बचत आंदोलन के तहत लोगों को लाना। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय उत्पाद समाज के हर तबके के लोगों की जरूरतों को पूरी करता है।

विगत 50 वर्षों से अधिक की राष्ट्रीय बचत संगठन (अभी राष्ट्रीय बचत संस्थान) की उपलब्धियाँ सर्व विदित है। राष्ट्रीय बचत संगठन जहाँ 1949 में सिर्फ 100 करोड़ रुपये का शुद्ध संग्रहण किया था, वहीं 2004-05 में रुपये 95,000 करोड़ का सकल संग्रहण किया है। राज्य सरकारें एवं विस्तारित एजेन्सियाँ जो बचत कार्य में संलग्न है, वे भारत में बचत को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार को अपने राज्य में अल्प बचत के अन्तर्गत शुद्ध संकलन का 100 प्रतिशत लंबी अवधि के लिए कर्ज के रूप में दिया जाता है, जिसे राज्य सरकार अपने राज्य में विकास के कार्य में खर्च करती है।

श्री अनिल भट्टाचार्य संयुक्त राष्ट्रीय बचत आयुक्त एवं विभागाध्यक्ष विश्व मितव्ययता दिवस के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये। (बायें से दायें) श्री पदमसिंह क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय बचत संस्थान नागपुर केंद्र, श्री व्ही.एस. बुटे अप्पर संभाग आयुक्त नागपुर एवं श्री एस.के. त्रिपाठी उपराष्ट्रीय बचत आयुक्त।

राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा विशेष विज्ञापन जारी

बचत पखवाड़ा समारोह
31 अक्टूबर – 14 नवम्बर 2005

विश्व मितव्ययिता दिवस

30 अक्टूबर 2005

राष्ट्रीय बचत संस्थान
इस अवसर पर
लघु बचतकर्ताओं
के प्रति अपनी
वचनबद्धता को
दोहराता है
और राष्ट्र निर्माण में
उन्हें भागीदार बनाता है

राष्ट्रीय बचत संस्थान
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
भारत सरकार, सी.जी.ओ. काम्पलेक्स,
सेमिनरी हिल्स, नागपुर – 440 006

राष्ट्रीय बचत संस्थान

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि राष्ट्रीय बचत संस्थान, ३० अक्टूबर २००५ को विश्व मितव्ययिता दिवस का आयोजन कर रहा है।

बचतें भविष्यकालीन समृद्धि की आधारशिला है तथा ये सुरक्षा की भावना पैदा करती है। जबकि बचत की आदत से व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित होता है, इसके साथ ही इस अभियान से संपूर्ण राष्ट्र के लिए विकासात्मक कार्यों के लिये आवश्यक संसाधन सृजित होते हैं। सरकार की लघु बचत योजनाएँ करोड़ों निवेशकों को उनकी आय के स्तर को ध्यान में रखे बगैर बचत अभियान के दायरे में लाने का कार्य करते है तथा देश के सामाजिक एवंआर्थिक विकास में योगदान प्रदान करती है।

विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर हमें मितव्ययिता की आदत को प्रोत्साहित करने तथा बचतों को सुकर बनाने के लिए सम्मिलीत प्रयास करना चाहिए। मैं सभी सरकारी, गैर सरकारी, अभिकरणों तथा राष्ट्रीय बचत संस्थान को शुभकामनाएँ एवंबधाइयाँ देता हूँ तथा इस दिवस की सफलता की कामना करता हूँ।

ह.
(ए.पी.जे. अब्दुल कलाम)

प्रधानमंत्री

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि विश्व मितव्ययिता दिवस ३० अक्टूबर को मनाया जा रहा है। बचत की आदत समाज की एक महत्वपूर्ण विशेषता है तथा यह आर्थिक विकास हेतु एक आवश्यक पूर्व शर्त भी है। भारत में मितव्ययिता को महत्ता प्रदान करने की एक दीर्घ परम्परा रही है। मितव्ययी होने का मतलब केवल संसाधन जुटाना नहीं बल्कि मेहनत से अर्जित किये गये ऐसे संसाधनों का युक्तिसंगत उपयोग करने की तरफ भी ध्यान देना है ताकि सतत विकास को सुनिश्चित करते समय कोई भी व्यक्ति वर्तमान तथा भविष्य की ओर ध्यान दे सके।

विश्व मितव्ययिता दिवस हमारी खर्च करने की आदत तथा भविष्य के लिए बचत करने को प्राथमिकता देने का एक उपयुक्त अवसर प्रदान करने का संकेत देता है। यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय बचत संस्थान सरकार और गैर–सरकारी अभिकरणों के सहयोग से हमारी अर्थव्यवस्था के विकास हेतु बचतों को जुटाने और सामाजिक कल्याण को प्रोत्साहन देने की गतिविधियों में संलग्न है।

विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर, मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ जो मितव्ययिता की महत्ता के बारे में लोगों को शिक्षित करने के महान कार्य में तथा इस संदेश को विस्तारित करने हेतु संस्थाओं को एकजुट करने में लगे हैं।

ह.
(मनमोहन सिंह)

वित्त मंत्री

संदेश

३० अक्टूबर, २००५ को मनाए जा रहे विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर, मैं बचतों के संग्रहण में लगे राष्ट्रीय बचत संस्थान, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों तथा संस्थानों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

देश के कुल वित्तीय बचतों में घरेलू क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण बचत आंदोलन वास्तव में अब जन आन्दोलन बन चुका है। सरकार की लघु बचत योजनाएँ देश के समस्त लोगों के लिए उपलब्ध है। इस कार्य में शामिल सभी अभिकरणों के सम्मिलित एवंअनवरत प्रयासों के साथ ही व्यक्तिगत बचतकर्ताओं के स्तर पर मितव्ययिता बरतने के परिणामस्वरूप, इन योजनाओं के अन्तर्गत बचतों के संग्रहण में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इस प्रकार संग्रहीत संसाधनों से उन विकासात्मक कार्यों के वित्त पोषण में सहायता मिलती है, जिनका उद्देश्य जन कल्याण एवंसमृद्धि है। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर, मैं संसाधनों को जुटाने में शामिल सभी अभिकरणों से लोगों के बीच बचत एवंमितव्ययिता का संदेश फैलाने एवंइस प्रकार राष्ट्र निर्माण के कार्य में योगदान करने की अपील करता हूँ।

मैं विश्व मितव्ययिता दिवस समारोहों की सफलता की कामना करता हूँ।

ह.
(पी. चिदम्बरम)

अप्रैल 2005 से जुलाई 2005 तक अल्प बचत संग्रहण